भाषा विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम0ए0 द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि.... 15 मई 2014 कोर्स कोड –एम0ए0एसएल -201

प्रोग्रामकोड --- एम0ए0 12 अधिकतम अंक -40

कोर्स शीर्षक – काव्यशास्त्र

ग्रीष्मकालीन सत्र 2013-14

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क

1. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य का प्रयोजन क्या है।
2. श्लेष अलंकार को लक्षण एवं उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
3. दृष्टान्त अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।
4. आचार्य रूद्रट का परिचय दीजिए।
5. ध्वन्यालोक पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।
6. 'इति हेतुस्तदुउद्भवे' की व्याख्या कीजिए।
7. आचार्य आनन्दवर्धन के अनुसार काव्य का क्या लक्षण है।
8. ध्वनि काव्य को लक्षण एवं उदाहरण सहित समझाइए।

खण्ड 'ख'

1. आचार्य मम्मट के काव्य लक्षण का वर्णन कीजिए।
2. अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद क्या है, स्पष्ट करें।
3. रसोत्पत्ति विषयक चारों मतों को संक्षेप में लिखिए।
4. काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा में आचार्य दण्डी का परिचय दीजिए।